

२०१२/२० पञ्चमी प्रहसुत की गरी वकील गरी  
 कुरु न-पापालप के पुलाए आले पर  
 ना तो वाकी ना भी वकील गरी न-पापालप  
 के लगत उपरान्त हु दो कुरु न-पापालप  
 वाड-गरी इही जल पर खरिज काल  
 हु पञ्चमी निपकानुगत वखिल कत  
 ही नम्बर से का हो

(M)

